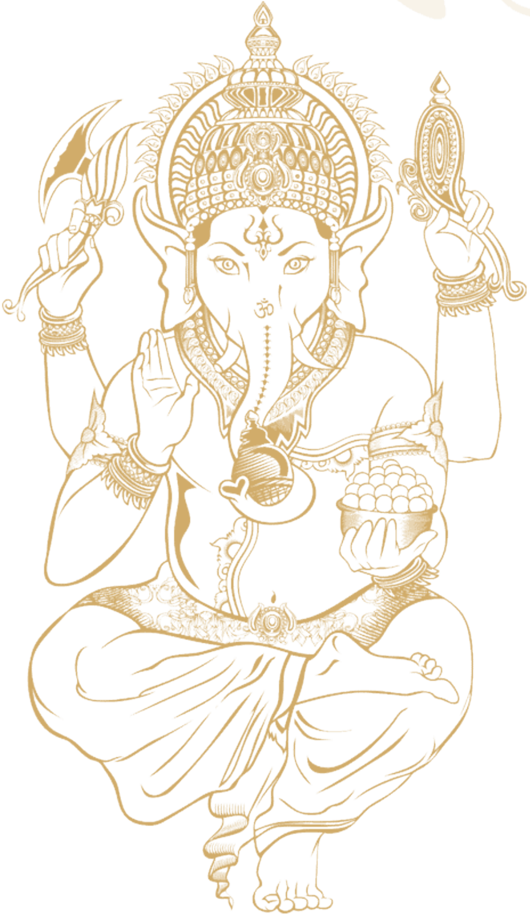

???

11 Oct 2001

09:15 PM

Meerut

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/10/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:15:00 घंटे**
इष्ट	37:22:37 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:55:48 घंटे
वेलान्तर	00:13:14 घंटे
साम्पातिक काल	22:17:00 घंटे
सूर्योदय	06:17:57 घंटे
सूर्यास्त	17:53:38 घंटे
दिनमान	11:35:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	24:30:48 कन्या
लग्न के अंश	24:55:59 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डाली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:55:59	351:30:26	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			कन्या	24:30:48	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			कर्क	13:41:24	14:13:38	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल			धनु	25:25:10	00:38:45	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	कन्या	29:47:06	01:08:56	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु			मिथु	21:01:49	00:04:12	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	01:22:43	01:14:13	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	नीच राशि
शनि	व		वृष	20:53:51	00:01:35	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	06:13:42	00:02:28	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	06:13:42	00:02:28	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:11:11	00:00:56	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:07:37	00:00:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:18:21	00:01:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	08:23:01	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:37

लग्न-चलित

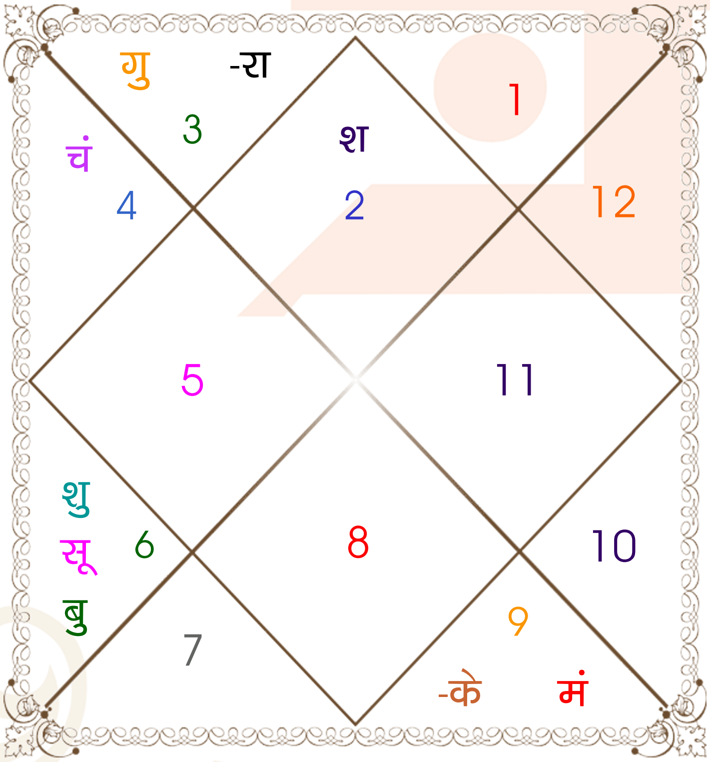

चन्द्र कुंडली

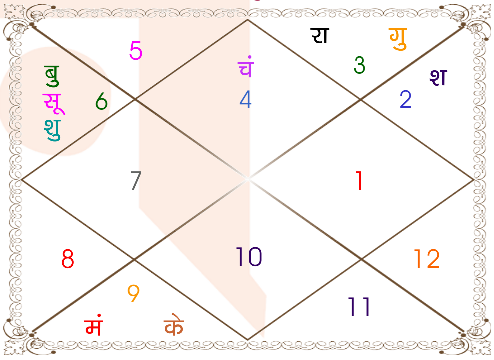

नवमांश कुंडली

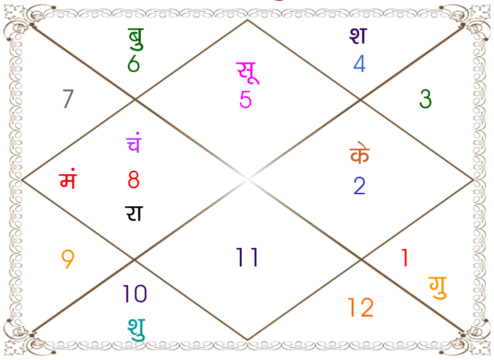

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 2 मास 27 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/10/2001		08/01/2006		08/01/2023		08/01/2030		08/01/2050	
08/01/2006		08/01/2023		08/01/2030		08/01/2050		08/01/2056	
	00/00/0000	बुध	05/06/2008	केतु	06/06/2023	शुक्र	09/05/2033	सूर्य	27/04/2050
	00/00/0000	केतु	03/06/2009	शुक्र	05/08/2024	सूर्य	09/05/2034	चंद्र	27/10/2050
	00/00/0000	शुक्र	02/04/2012	सूर्य	11/12/2024	चंद्र	08/01/2036	मंगल	04/03/2051
	00/00/0000	सूर्य	07/02/2013	चंद्र	12/07/2025	मंगल	09/03/2037	राहु	26/01/2052
	00/00/0000	चंद्र	09/07/2014	मंगल	08/12/2025	राहु	09/03/2040	गुरु	14/11/2052
	00/00/0000	मंगल	07/07/2015	राहु	27/12/2026	गुरु	08/11/2042	शनि	27/10/2053
	11/10/2001	राहु	23/01/2018	गुरु	03/12/2027	शनि	08/01/2046	बुध	02/09/2054
राहु	27/06/2003	गुरु	30/04/2020	शनि	10/01/2029	बुध	08/11/2048	केतु	08/01/2055
गुरु	08/01/2006	शनि	08/01/2023	बुध	08/01/2030	केतु	08/01/2050	शुक्र	08/01/2056

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
08/01/2056		08/01/2066		07/01/2073		08/01/2091		09/01/2107	
08/01/2066		07/01/2073		08/01/2091		09/01/2107		00/00/0000	
चंद्र	08/11/2056	मंगल	06/06/2066	राहु	21/09/2075	गुरु	25/02/2093	शनि	12/01/2110
मंगल	09/06/2057	राहु	24/06/2067	गुरु	13/02/2078	शनि	08/09/2095	बुध	21/09/2112
राहु	09/12/2058	गुरु	30/05/2068	शनि	20/12/2080	बुध	14/12/2097	केतु	31/10/2113
गुरु	09/04/2060	शनि	09/07/2069	बुध	10/07/2083	केतु	20/11/2098	शुक्र	30/12/2116
शनि	08/11/2061	बुध	06/07/2070	केतु	27/07/2084	शुक्र	22/07/2101	सूर्य	12/12/2117
बुध	09/04/2063	केतु	02/12/2070	शुक्र	28/07/2087	सूर्य	10/05/2102	चंद्र	14/07/2119
केतु	08/11/2063	शुक्र	02/02/2072	सूर्य	21/06/2088	चंद्र	09/09/2103	मंगल	21/08/2120
शुक्र	09/07/2065	सूर्य	08/06/2072	चंद्र	20/12/2089	मंगल	15/08/2104	राहु	12/10/2121
सूर्य	08/01/2066	चंद्र	07/01/2073	मंगल	08/01/2091	राहु	09/01/2107		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 2 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा। वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगी। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगी। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगी।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगी। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति की प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगी। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहती है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद की सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करते है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाती है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाती हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहती हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहती हैं। आपकी पति अच्छे है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहते हैं। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करती रहेंगी।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहती हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगी।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। किसी भी दशा में लाल रंग आपके लिए अनुकूल नही है। आपके लिए प्रमाणिक एवं लाभजनक रंग पीला, हरा एवं सफेद रंग ही उपयुक्त है।